चालीसा का पाँचवा रविवार

Caritas INDIA
The Joy of Service...

"गरीब और जरुरतमदों के लिए नए सिरे से जीवन और स्थायी आजीविका के प्रवर्तक बनना खीस्तीय बुलाहट है।"

पाँचवे रविवार के लिए विशेष विषयवस्तु

29 मार्च 2020

पहला पाठः एजेकिएल का ग्रन्थ 37 :12–14
दूसरा पाठः रोमियों के नाम पत्र 8 :8–11
सुसमाचार : योहन 11 :1–45

पवित्र खीस्तत्याग की पृष्ठभूमि

आज हम चालीसे के पाँचवे रविवार में है और हमें यह याद दिलाया जाता है कि प्रभु येसु पुनरुत्थान और जीवन है जो उस पर विश्वास करता है उसे अनन्त जीवन प्राप्त होगा। पहले पाठ में प्रभु येसु लोगों से वादा करते हैं कि वह उनकी कब्र खोलेगा, उन्हें उठाएगा और उन्हे उनके घर वापस ले जाएगा। आज के सुसमाचार में येसु हमारे दुखों पर अपनी प्रतिक्रया देते हैं। यह लाजरुस के मृतकों में से जी उठने के बारे में है। हम येसु के मानवीय स्वभाव को देखते हैं क्योंकि वह अपने मित्र लाजरुस के लिए शोकित होता है और वह अपने मित्रों मार्था और मेरी के साथ शोक मनाता है। हम मृतकों में से लाजरुस के जी उठाने में येसु के दिव्य शक्ति को भी देखते हैं।

क्या हम अपने भाईयों एवं बहनों के रोने कि आवाज के प्रति मर चुके हैं? क्या हम अपने आसपास हो रहे अन्याय को देखने के लिए मर चुके है? येसु कहते हैं कि हम उनपर आस्था रखें और उसके पास आयें क्योंकि पास्का के दिन हम उसके साथ पुर्नजीवित होगें। आज के दिन का विषय यह ध्यान दिलाता है कि गरीबों और जरुरतमदों के लिए नए सिरे से जीवन और स्थायी आजीविका के प्रवर्तक के रुप मे होना चाहिए। इस मोर्चे के प्रति हमारा प्रयास हाशिए पर रहने वाले समुदायों के साथ संभावित आजीविका विकल्पों की पहचान करने के लिए काम करना होगा जो पर्यावरण के अनुकूल और स्थायी हो ताकि हशिये पर के समुदायों में आजीविका कायम रखा जा सके। आइए हम मसीह के साथ स्थायी आजीविका के प्रवर्तक बने और लोगों की मुश्किलों को कम करें।

धर्मोपदेश

प्रभु येसु खीस्त में प्यारे भाईयों एवं बहनों,
हम चालीसे के पाँचवे रविवार में हैं। अगले रविवार को हम खजूर रविवार मनाएंगे जो प्रभु येसु का येरुसलेम में विजयी प्रवेश है, उसके बाद पावन दुखभोग और त्याग का सप्ताह जो चालीसे का चरमोत्कर्ष है। इन दिनों विश्वासीगण येसु के महान त्याग, मृत्यु तथा पुनरुत्थान पर ध्यान केन्द्रित कर हमारे उध्दार के रहस्यों पर मनन चिन्तन करते हैं।

आज की पाठें जीवन देना ईश्वरीय शक्ति की अभिव्यक्ति है। एजेकिएल के ग्रन्थ से आज के पहले पाठ में, परम पिता ने एक असंभव की घोषणा की, "हे मेरे लोगो, मैं तुम्हारी कब्रे खोलूंगा और उन्हें उठाउंगा", भजन संहिता 130 में भजनकार आत्मा को शिओल की गहराई से उध्दार के लिए रोता है वहीं पर योहन के सुसमाचार में येसु लाजरुस को मुर्दों में से जिलाता है और घोषणा करता है, **"पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ।"**

जैसे हम प्रभु येसु के दुखभोग के अन्तिम सप्ताह की ओर जा रहे हैं आइए हम मृत्यु से पहले और बाद के खीस्तीय जीवन के सही अर्थ को समझे। ईश्वर मृत्यु से पहले और बाद के हमारे जीवन का एक मात्र स्वामी और मालिक है। ईश्वर के पास जीवन देने और लेने की पूर्ण शक्ति है। यह सच्चाई येसु मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से हमारे सामने प्रकट हुई है। एक खीस्तीय के रुप में हम मानते हैं कि मृत्यु एक माध्यम है जिसके जरिए हम अपने पिता के स्वर्गीय घर में प्रवेश करते हैं। हमारा विश्वास बताता है कि मानवीय मृत्यु जीवन का अन्त नहीं बल्कि एक नए और अनन्त जीवन की शुरुआत है। बेथनी में जब लाजरुस, मरथा और मेरी का भाई मर जाता है तो यह बात स्पष्ट हो जाती है। मरथा रोते हुए कहती है कि अगर येसु वहाँ होते तो उनका भाई नहीं मरता, इसके जवाब में येसु कहते हैं, **"मैं ही पुनरुत्थान और जीवन हूँ।"**

लाजरुस अपने परिवार का अकेला पुरुष सहारा था। लाजरुस की मृत्यु परिवार के लिए बहुत बड़ी क्षति थी और यह दोनों बहनों के लिए स्वीकृति से परे था। केवल शब्दों से उन्हें सांत्वना देना एक दिखावटी सहानुभूति मात्र होती। येसु उनके साथ रोता है और दोनों अनाथ टूटे बहनों के साथ अपनी सहानुभूति प्रकट करता है। वह लाजरुस के कब्र के पास जाता है और लाजरुस को वापस जीवन देता है। धर्मशास्त्र कहता है, "उनकी आँखों से हर आँसू पोंछ लेगा, और मृत्यु नही होगी, न ही शोक होगा, न ही रोना और न ही दर्द होगा, क्योंकि

पुरानी बातें बीत चुकी है।" (Rev.21:4)

लेकिन लाजरुस की सांसारिक जीवन में फिर से कुछ ऐसा हुआ जो मृत्यु के बाद जीवन की हमारी समझ को प्रभावित करता है। कब्र के चारों ओर इकट्ठा लोग थाह नहीं लगा सके और अनजान थे कि मनुष्य को भौतिक जीवन में कैसे वापस लाया जा सकता है? लेकिन धर्मग्रन्थ कहता है "इस पर चकित मत हो, समय आ रहा है जब सभी जो अपनी कब्र में है वे उसकी आवाज सुनेगें और बाहर आ जायेंगें।" (John 5:29)

इस घटना के माध्यम से उन्होनें शिष्यों और दुनिया को दिखाया कि मृत्यु पर उसका अधिकार है। चाहे मृत्यु से पहले का जीवन हो या मृत्यु के बाद का जीवन, प्रभु ही स्वामी है। इसलिए ख्रीस्तीय विश्वास के लिए यह अति आवश्यक है कि हम मृतकों के पुनरुत्थान में विश्वास करें।

पृथ्वी पर का जीवन अस्थायी है पर यह ईश्वर का एक अनमोल उपहार है। जीवन सृष्टि करने की खास उद्देश्य है कि हम ईश्वर की सेवा और धरती पर अपने लोगों से प्यार करें जैसे कि हम खुद से प्यार करते हैं। इसलिए मृत्यु से पहले के जीवन को ईश्वर के आदेश अनुसार जीना चाहिए, अगर नही तो हमें एजेकिएल के समय में इस्राइलियों की तरह बुरे परिणाम भुगतने पड़ेगें।

आज के पहले पाठ में एजेकिएल ने यहूदा के गोत्र की दुदर्शा का वर्णन किया है। उन्हें बाबुल भेजा गया, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार थे खासकर इस्राइलियों के नेता। वे एक अनुशासनहीन जीवन जीते थे। उन्होने ईश्वर की उपेक्षा की। नतीजतन उनकी स्थिति कब्र में रहने के समान खराब हो गई। उनका धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक जीवन बस मृत सा हो गया था।

करुणामय पिता ने उनके लिए दया महसूस की और इस्राएल के लिए अपने गुस्से को कम किया और उन्हें "हाय मेरे लोग" कहकर सम्बोधित किया। याहोवा अपने लोगों के प्रति अनुकूल स्वभाव दिखाता है। इस्राएल का स्वभाव काफी हद तक ईश्वर के प्रति उनकी अवज्ञा ही ईश्वर से उन्हें दूर ले जाता है। हालांकि याहोवा का गुस्सा हमेशा के लिए नही है, और उसके साथ कोई भी विकट स्थिति समाधान परे नहीं है।

याहोवा जीवन्त ईश्वर है। इसलिए वह उन्हें जीवित कर उनके स्थायित्व को बहाल करता है। यह दर्शाता है कि परमेश्वर में जीवित रहना और चलना फिरना सिर्फ भौतिक चीज़ों की बात नही है बल्कि ईश्वर में (आत्मिक रुप से) मर चुकें है यहाँ तक कि शारीरिक रुप से मृत भी ईश्वर में जीवित हो सकते है इसलिए अब्राहम, इसाहक और याकूब का ईश्वर कहा जाता है।

आज के सुसमाचार में येसु ने मृत्यु से लाजरुस को उठाया हालाँकि वह कब्र में चार दिन से था। यह वास्तव मे येसु के उस दावे को सर्मथन करता है कि मैं ही पुनरुत्थान और जीवन हूँ, पहले पाठ में जो वचन ईश्वर ने दिया था वह आज के सुसमाचार में येसु ने पूरा किया।

इसलिए ईश्वर दया और करुणा से भरे हुए हैं। वह अपने बेटे येसु के माध्यम से और इसके बारे में खुलासा करते हैं। वह मृतकों को जीवन प्रदान करता है, वह टूटे हुए को सांत्वना और खुशी प्रदान करता है और वह विस्थापितों को स्थापित करता है। हमारे दयालु येसु ने मार्था, मेरी और लाजरुस के गरीब परिवार के प्रति अपना वास्तविक प्रेम को प्रकट किया। उन्होने न केवल लाजरुस को जीवन दान दिया, बल्कि अपनी निंरतर सानिध्य के साथ दुखी परिवार को भी बनाए रखा।

आज येसु हमें गरीबों के लिए वैसा ही करने के लिए आमंत्रित करते हैं जैसा उन्होने अपने समय में किया था। इस चालीसे काल के अवसर पर यह वास्तव में प्रार्थनाओं के आलावा एक बुलाहट है जो हमारे आम रास्ते से हट के गरीबों की मदद करने के लिए है। येसु का अनुकरण करने का अर्थ है पीड़ित मानवता क प्रति दयालु होना। येसु का अनुकरण करने का अर्थ है विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक स्थितियों से कुप्रभावित लोगों को जीवन देना। येसु का अनुकरण करने का अर्थ है टुटे हुए लोगों के जिन्दगी को बहाल कर स्थायी बनाना।

कैरीतास इण्डिया का चालीसकालीन विषय – **समृद्ध जीवनः सतत आजीविका,** हमारा ध्यान गरीब, जरुरतमदों और समाज के वंचित लोगों की तरफ आर्कषित करता है और उदारतापूवर्क उनके देखभाल के लिए आमंत्रित करता है। कहावत है – लोग परवाह नहीं करते कि आप कितना जानते हैं, जब तक वे जानते नहीं कि आप कितना ख्याल रखते हैं। हम ख्रीस्तीय पीड़ित मानवता के प्रति दया किए बिना येसु के सच्चे शिष्य होने का दावा नही कर सकते। येसु ने मानवता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। वह एक ऐसा व्यक्ति था जिसने एक सच्चे शिष्य को सिखाया कि उसे अपने गुरु, अपने प्रभु के लिए उसे क्रूस सहन करना पड़ेगा।

अपने क्रूस का तात्पर्य है कि हमारे सामान्य और सुलभ जीवन से बाहर आना और गरीबों, अकेले और बीमार लोगों और पीड़ितो तक पहुँचना और हमारे पास जो संसाधन है उससे उनकी मदद करना है। इसका अर्थ

हमारे स्वयं के आरामदायक जीवन से कुछ त्याग करना और सभी संभव तरीकों से गरीबों के साथ साझा करना है। इसलिए इस पवित्र फलदायी मौके पर बचे हुए अवधि के दौरान और पास्का की महान भोज तक हम अपने जीवन और आजीविका को बनाए रखने के लिए गरीबों की मदद करने के लिए उदार बनें। जब उदारता के हमारे छोटे कार्य जरुरतमंदों के प्रति दया और उन्हें अपने जीवन व आजीविका को बेहतर बनाने में मदद करेगें, तब ये निश्चित रुप से हमें जीवन में साझा करने का सच्चा आनन्द प्रदान करेंगें जो हमारे पुनरजीवित प्रभु हमें पूरी प्रचूरता से प्रदान करते हैं। **आमेन!**

विश्वासियों की प्रार्थना

अनुश्ठानकर्ता – मृत्यु उसे पराजित नहीं कर सकी। न ही यह हमें हरा पायेगी यदि हमारा विश्वास मार्था की विश्वास की तरह है और हम येसु का अनुकरण करते है। यह आश्वासन है क्योंकि हम पवित्र सप्ताह पर येसु के मृत्यु पर जीवन की विजय, बुराई पर अच्छाई की जीत के उत्सव के करीब पहुँते हैं। हम पिता परमेश्वर से उनके आर्शीवाद के लिए प्रार्थना करें और कहें

जवाब : हे प्रभु हमारी विनती सुन !

1. हे परम पावन पिता हम अपने संत पिता फ्रान्सिस और दुनिया के सभी नेताओं के लिए प्रार्थना करते हैं कि येसु मसीह में उध्दार का सुसमाचार का सन्देश उनके जीवन के माध्यम से पृथ्वी पर प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँच सकें। इसके लिए हम पिता ईश्वर से प्रार्थना करें।

जवाब : हे प्रभु हमारी विनती सुन !

2. न्याय और धार्मिकता से प्यार करने वाले हे हमारे सर्वशक्तिमान ईश्वर हमारी सरकार और नीति निर्माताओं की और मार्गदर्शक बन, ताकि वे न्यायपूर्ण समाज का निमार्ण करने का प्रयास करें। इसके लिए हम पिता ईश्वर से प्रार्थना करें।

जवाब : हे प्रभु हमारी विनती सुन !

3. हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो पीड़ित हैं जिनके सपने कब्र में पड़े हुए हैं उस पवित्र प्रतिज्ञा के अनुसार जब सारी कब्रें खोली जाएं और सभी मृतक जी उठें और उनमें एक दिव्य आशा और चंगाई का संचार हो। इसके लिए हम पिता ईश्वर से प्रार्थना करें।

जवाब : हे प्रभु हमारी विनती सुन !

4. हमारे प्यारे मृतक भाई बहनों के लिए प्रार्थना करें जैसे येसु अपने मित्र लाजरुस की मृत्यु पर रोए उसी तरह उन्हें स्वर्ग के प्रचुर जीवन तक बढ़ा सकें और उन लोगों को सांत्वना प्रदान करें जिन्हें पीछे छोड़ दिया गया है। इसके लिए हम पिता ईश्वर से प्रार्थना करें।

जवाब : हे प्रभु हमारी विनती सुन !

5. यहाँ मौजूद हम सभी के लिए कि हम मसीह के विश्वास में बढ़ सकें क्योंकि वह जीवन और पुनरुत्थान है और इस पवित्र सप्ताह के दौरान उसकी ओर देखें और हम उसका अनुसरण करें ताकि हम अपने सभी स्वार्थों, लालच और अभिमान से उपर उठकर मसीह के साथ पुर्नजीवित हो सकें। इसके लिए हम पिता ईश्वर से प्रार्थना करें।

जवाब : हे प्रभु हमारी विनती सुन !

अनुश्ठानकर्ता – हे हमारे प्रेमी पिता, हम आपके पुत्र हमारे प्रभु येसु मसीह और सृष्टि के उपहार के लिए धन्यवाद करते हैं। हमारा मार्गदर्शन कर और हमे सिखा कि हम उन सभी बन्धनों से मुक्त हो सके जो हमें बांध हुए हैं और मसीह हमारे प्रभु के माध्यम से नया जीवन पा सकें। हम यह प्रार्थना करते हैं हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा आमेन!

(सौजन्यः सुशील मोदी, एडमिनिस्ट्रेटर, कैरीतास इण्डिया नई दिल्ली)

उपवास, अर्थात, दूसरों और सृष्टि के सभी लोगों के प्रति हमारे दृष्टिकोण को बदलना सीखना, हमारी व्यर्थता को संतुष्ट करने के लिए सब कुछ "भक्षण" से दूर हो जाना और प्यार के लिए पीड़ित होने के लिए तैयार होना, जो हमारे दिलों के खालीपन को भर सकता है।

प्रार्थना, जो हमें मूर्तिपूजा और हमारे अहंकार की आत्मनिर्भरता को त्यागना और प्रभु और उसकी दया की हमारी आवश्यकता को स्वीकार करना सिखाती है।

दान, जिससे हम भ्रम में खुद के लिए सब कुछ जमा करने के पागलपन से बच जाते है कि हम एक भविष्य को सुरक्षित कर सकते है।

आइए हम अपने स्वार्थ और आत्म–अवशोषण को पीछे छोड. दें और यीशु के पास जाएं। आइए हम अपने भाइयों और बहनों की ज़रुरत के मुताबिक खड़े हों, हमारे आध्यात्मिक और भौतिक वस्तुओं को उनके साथ साझा करें।

संत पिता फ्रांसिस का चालीसा संदेश 2019

Caritas® INDIA
The Joy of Service...

Campaign Against Hunger & Disease | 2020

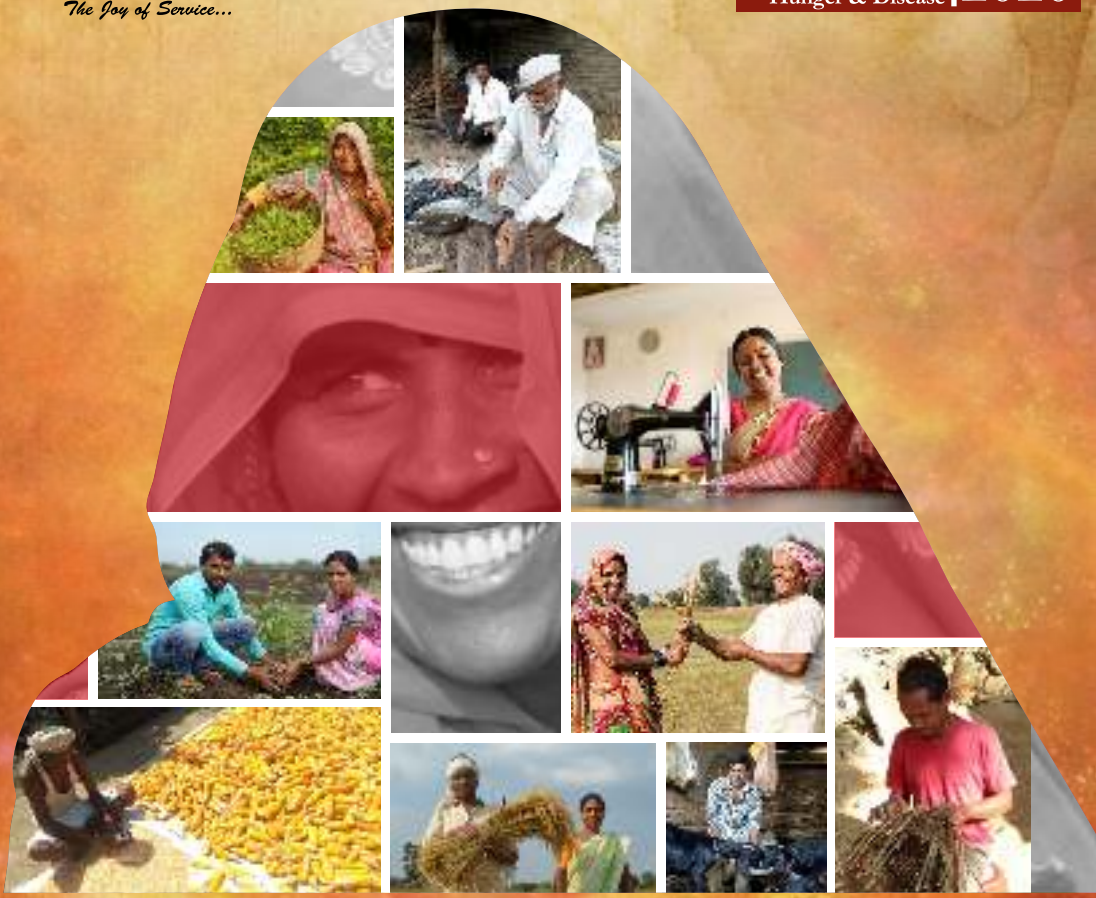

Sustain | Sustainable
Life | Livelihood
समृद्ध जीवनः सतत आजीविका

करीतास इण्डिया अपने वार्षिक चालीसा कालीन अभियान के तहत "**समृद्ध जीवनः सतत आजीविका**" के विषयवस्तु पर सभी को साथ आने के लिए आमंत्रित करती है कि वे एक उत्प्रेरक के रुप में प्रत्येक जन एक जन की मदद के दृष्टिकोण से लोगों तक अपनी पहुँच बनाकर" "**सतत आजीविका**" के लिए परिवर्तन का एक जरिया बने।

इस चालीसा काल में आइए हम संकल्प करें कि जीवन की निरंतरता के लिए आर्थिक और गैर आर्थिक रुप से अपना योगदान दें। इसका मतलब यह नहीं कि हम गरीबी उन्मूलन के लिए काम करें बल्कि लोगों में क्षमता वृध्दि करें जिससे कि वे जीवन में आने वाले बाधाओं / रुकावटों का सामना कर सकें। इसका मतलब यह भी है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग स्थायी दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर जीवन व्यतीत करना शुरु करें जिससे कि कार्बन उर्त्सजन को कम कर सकें। इसके लिए हम पर्यावरण के अनुकूल यात्रा के तरीके, बेकार के उत्पाद का पुनःचक्रित और समुदाय को सक्षम बनाने की पहल को बढ़ावा दे सकते हैं।